

EFTA के साथ व्यापार वार्ता में डेटा विशिष्टता

स्रोत: द हंडू

भारत ने हाल ही में मुक्त व्यापार समझौते के लिये **यूरोपीय मुक्त व्यापार संगठन** (European Free Trade Association- EFTA) के साथ चल रही चर्चा में 'डेटा विशिष्टता' खंड को शामिल करने के खलिफ कड़ा रुख अपनाया है।

व्यापार समझौते के तहत डेटा विशिष्टता क्या है?

- परचिय: डेटा विशिष्टता इस मसौदा समझौते के एक खंड से संबंधित है जो कसी दवा के परीक्षण और विकास के दौरानउत्पन्न नैदानिक परीक्षण डेटा पर न्यूनतम 6 वर्ष का प्रतिबंध (वाणिज्य पर कानूनी प्रतिबंध) लगाता है।
 - इस प्रकार दवाओं के जेनेरिक संस्करण का उत्पादन करने के इच्छुक निमित्ताओं को या तो सवयं ऐसा डेटा तैयार करने की आवश्यकता होगी, जो एक महँगा प्रस्ताव है या भारत में अपने संस्करण बेचने से पहले उपरोक्त नियिष्ट अवधितिक प्रतीक्षा करना होगा।
- भारत के जेनेरिक दवा उद्योग पर प्रभाव: भारत का जेनेरिक दवा उद्योग विश्व स्तर पर महँगी दवाओं के कफिलप्रदान करने में महत्वपूर्ण रहा है।
 - हालाँकि डेटा विशिष्टता लागू करने से इस उद्योग के विकास और सस्ती दवाओं की पहुँच गंभीर रूप से बढ़ती हो सकती है।
- ऐतिहासिक संदर्भ और अस्वीकृति: भारत के साथ व्यापार वार्ता के दौरान यूरोपीय यूनियन (EU) और EFTA दोनों की ओर से वर्ष 2008 से डेटा विशिष्टता की मांग लगातार उठ रही है।
 - इसके बावजूद भारत ने लगातार इन अनुरोधों को अस्वीकार कर दिया है।

यूरोपीय मुक्त व्यापार संगठन क्या है?

- परचिय: यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (EFTA) आइसलैंड, लिकिटेंस्टीन, नॉर्वे और स्वदिज़रलैंड (ये चारों यूरोपीय यूनियन का हसिसा नहीं हैं) का अंतर-सरकारी संगठन है।
 - इसकी स्थापना वर्ष 1960 में स्टॉकहोम कन्वेंशन द्वारा की गई थी।
 - इसका उद्देश्य अपने चार सदस्य देशों और विश्व भर में उनके व्यापारिक भागीदारों के लाभ के लियमुक्त व्यापार तथा आर्थिक एकीकरण को बढ़ावा देना है।



- भारत और EFTA: EFTA सदस्यों और भारत के बीच वाणिज्यिक व्यापार का कुल मूल्य वर्ष 2022 में 6.1 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक हो

जाएगा।

- फारमास्युटिकल उत्पाद (11.4%) तथा मशीनरी (17.5%) भारत के शीर्ष नियात थे, जबकि कारबनकि रसायन (27.5%) EFTA आयात के बहुत के लिये जिम्मेदार थे।

मुक्त व्यापार समझौता क्या है?

- परचियः** मुक्त व्यापार समझौता (FTA) दो या दो से अधिक देशों के बीच उनके बीच आयात और नियात की बाधाओं को कम करने के लिये एक समझौता है।
 - इस समझौते के तहत, वस्तुओं और सेवाओं को अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं के पार बहुत कम या बिना कसिसरकारी टैरफ़ि, कोटा या उनके वनिमय को बाधित करने वाले प्रतिबिंधों के साथ क्रय-विक्रय किया जा सकता है।
 - यह व्यापार संरक्षणवाद या आरथिक अलगाववाद के विपरीत है।
- ऐतिहासिक संदर्भः** इसे पहली बार वर्ष 1817 में अरथशास्त्री डेवडि रकिरडो ने अपनी पुस्तक "ऑन द प्रसिपिलस ॲफ पॉलिटिकल इकोनॉमी एंड टैक्सेशन" में लोकप्रिय बनाया था।
 - उन्होंने तक दिया कि मुक्त व्यापार विधिता का वसितार करता है और साथ ही कसी देश में उपलब्ध वस्तुओं की कीमतें कम करता है जबकि अपने घरेलू संसाधनों, ज्ञान तथा विद्या कौशल का बेहतर दोहन करता है।
- भारत का FTA:** अब तक भारत ने अपने व्यापारिक साझेदारों के साथ 13 मुक्त व्यापार समझौतों (FTA) पर हस्ताक्षर किये हैं, जिसमें दक्षणि एशियाई मुक्त व्यापार क्षेत्र (SAFTA) पर समझौता भी शामिल है।
 - भारत-सिंगापुर व्यापक आरथिक सहयोग समझौता (CECA),
 - भारत-जापान CEPA एवं भारत-ऑस्ट्रेलिया आरथिक सहयोग और व्यापार समझौता (ECTA)।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

प्रश्न. निम्नलिखित देशों पर विचार कीजिये: (वर्ष 2018)

- ऑस्ट्रेलिया
- कनाडा
- चीन
- भारत
- जापान
- अमेरीका

उपर्युक्त में से कौन आसियान के 'मुक्त-व्यापार भागीदारों' में से है?

- (A) 1, 2, 4 और 5
(B) 3, 4, 5 और 6
(C) 1, 3, 4 और 5
(D) 2, 3, 4 और 6

उत्तर: (C)

प्रश्न. "बंद अरथव्यवस्था" वह अरथव्यवस्था है जिसमें— (2011)

- (A) मुद्रा आपूर्तिपूरी तरह से नियंत्रित होती है
(B) घाटे का वित्तपोषण होता है
(C) केवल नियात होता है
(D) न तो नियात होता है और न ही आयात होता है

उत्तर: (D)

